

यूनिसेफ स्टेट चीफ का राजस्थान पुलिस अकादमी भ्रमण

दिनांक 27.06.2017

राजस्थान पुलिस अकादमी द्वारा यूनिसेफ के सहयोग से “**Strengthening Child Friendly Police System in Rajasthan**” कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसी परिपेक्ष्य में राजस्थान पुलिस अकादमी के निदेशक श्री राजीव दासोत व यूनिसेफ स्टेट चीफ राजस्थान डॉ. इसाबेल सेवेदे बार्दम द्वारा आर.पी.ए. में एक संयुक्त गोष्ठी का आयोजन किया गया।



गोष्ठी के आरम्भ में श्री राजीव दासोत निदेशक, आर.पी.ए. ने डॉ. इसाबेल सेवेदे बार्दम का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया एवं सभी आर.पी.ए. के अधिकारियों का औपचारिक परिचय करवाया। तत्पश्चात् सहायक निदेशक (इण्डोर) द्वारा अकादमी पर प्रस्तुतीकरण देते हुए राजस्थान पुलिस अकादमी की विभिन्न गतिविधियों इण्डोर व आउटडोर, विशिष्ठ कोर्सेज, प्रायोजित प्रशिक्षणों उपलब्धियां, नवाचार, सी.डी.पी.एस.एम., सी.एस.डी.जी.एस., सेन्ट्रल बेण्ड, घुड़सवारी, केश, महिला कल्याण केन्द्र इत्यादि की विस्तृत जानकारी दी।

इसी प्रस्तुतीकरण के दौरान राजस्थान पुलिस अकादमी एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्वाधान में विगत वर्षों में आयोजित बाल मित्रवत् गतिविधियों विभिन्न बाल सुरक्षा कानून से सम्बन्धित प्रकाशन, अकादमी द्वारा विभिन्न स्तर पर आयोजित प्रशिक्षणों के बारे में भी अवगत कराया साथ ही भविष्य में आयोजित की जाने वाली बाल संरक्षण गतिविधियों का प्रारूप भी प्रस्तुत किया गया।

डॉ. इसाबेल सेवेदे बार्दम ने अपने उद्बोधन में राजस्थान पुलिस अकादमी के निदेशक के कुशल नेतृत्व में आर.पी.ए. द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों व सेन्ट्रल बेण्ड, घुड़सवारी प्रतियोगिता में सफल होने पर बधाई दी व बाल संरक्षण में किये जा रहे अभिनव प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि अकादमी निश्चित ही सभी क्षेत्रों में नये आयामों को प्राप्त करने की ओर अग्रसर है।

श्री संजय निराला, चाईल्ड प्रोटेक्शन ऑफिसर, यूनिसेफ राजस्थान द्वारा अकादमी एवं यूनिसेफ के सांझा प्रयासों से विगत वर्षों में बाल संरक्षण सम्बन्धी गतिविधियों की सराहना की व इसके लिए निदेशक महोदय का आभार व्यक्त किया।

श्री दासोत ने बाल एवं महिला संरक्षण गतिविधियों को बेहतर बनाने के लिए वर्चुअल क्लास रूम के महत्व, बाल संरक्षण में सी.एल.जी. की सहभागिता द्वारा पूरे राजस्थान में संचालित करने, बालकों व महिलाओं से सम्बन्धित अपराधों के रियल टाईम डाटा एनालिसिस एस.सी.आर.बी. के सहयोग से करने, इन्दिरा गाँधी खुला विश्वविद्यालय द्वारा बाल संरक्षण विषयों पर अकादमी में प्रशिक्षणाथियों को बेसिक प्रशिक्षण के साथ साथ प्रशिक्षण जैसे नये प्रयोगों को बाल संरक्षण की गतिविधियों से जोड़ने पर जोर दिया व आवश्यकता बताई। इस पर यूनिसेफ चीफ द्वारा वर्तमान परिपेक्ष्य में इसकी महती भूमिका को स्वीकृत करते हुए बाल संरक्षण गतिविधियों को सम्पूर्ण राजस्थान में अकादमी के सहयोग से क्रियान्वित करने के लिए श्री दासोत के सुझावों को महत्वपूर्ण बताया व भविष्य में सांझा वार्ता करने की आवश्यकता बताई।



गोष्ठी के समापन पर श्री दासोत ने यूनिसेफ चीफ को स्मृति चिन्ह भेंट किया व अकादमी में सीडीपीएसएम द्वारा संचालित यूनिसेफ सेन्टर का भ्रमण कराया व अकादमी में पधारने पर धन्यवाद ज्ञापित किया।